Lang: Mewati

यो सैं बाबू भुलक्कड़ लाल, इनकी याददाश्त बड़ी कमाल।
आधी दाढ़ी कदे बनावैं, कमीज़ पहन लें, पजामा भूल जावैं।
शादी किसकी थी यो भूल जावैं, खुद ही जबकि बन्या था दूल्हा।

यो सैं बाबू भुलक्कड़ लाल, इनकी याददाश्त बड़ी कमाल।
पर जद तै दुल्हन पेट तै हो ली, तब तै कुछ बातां याद रखन लाग

“हां? के-के बात सै?

एक - अपणो अस्पताल चुननो अर लुगाई की जाँच करावते रहनो।
याद राख्या सैं, याद राख्या सैं।

दो - कदे कोणी परेशानी या इमरजेंसी खातर एम्बुलेंस को नंबर याद राखणो
याद राख्या सैं, याद राख्या सैं।

तीन - जच्चा-बच्चा की सेहत खातिर आशा दीदी को नंबर।
याद राख्या सैं, याद राख्या सैं।

चार - बच्चा की पढ़ाई लिखाई अर अच्छे पालन-पोषण खातिर अभी ते बचत करणी।
याद राख्या सैं, याद राख्या सैं।

पाँच - बच्चा ने जानलेवा बीमारीयाँ ते बचाव खातिर टीकाकरण की जानकारी लेणी।
याद राख्या सैं, याद राख्या सैं।

भले कूछ भी याद ना रह्यो हो, यो पाँच बातां याद रखे हैं।

हैं इतणा भुलक्कड़, भुलक्कड़ लाल बड़ा गजब सैं इनका काम।
बच्चे के पैदा होण पे भूल ग्या के रख्या था नाम।

लेकिन भैय्या, जब घरवाली के गर्भवती होण पै दुनिया भर की सारी बातां भूल जाण वाले भुलक्कड़ लाल जी नै भी यो पाँच बातां याद राखीं

तो तूं भी आज ते ही यो पाँच बातां हमेशा याद राखियो।
“सुरक्षा तबी सै, जब शुरुआत अब्बे ते करां।”